थुडजदेखताथुमीनोनो ही
थुमीनतरंणानवुपीदेखमोही
जोतीशतेपभ्राहीनवलखाना
तेजभताषतुमभ्रगीनसमाना
मभ्राहीनपनमेस्वनभ्रामी
भलपवतीनंजनभ्रंनजामी
वनीनजाईजोतीकेली ला
पेवमपेनंपेनपनमश्रीला
जोतीकलायकुभ्रोनवीनाजै
नगाााकाननकुंउलछाजै

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

सु॰जं॰ ॥२॥

॥ नीलबरनछबीजुनीअसरवानी ॥
॥ ग्यानतीधानतेपनमभ्रुनतेधानी ॥
॥ पनमपुनीतअघहीनअंबीनी ॥
॥ अजैअनादिसकलघटवासी ॥
॥ जासुकथामेकहेवयपा नी ॥
॥ सोईप्रभुप्यहेअगोनरमानी ॥
॥ महिमाअपारतिनअगमपहारा ॥
॥ तीनभुवनमेजोंतीअभावा ॥

॥ दोहा ॥

॥ आदीनकथाअगमहेगावहीसंभुसुजा
॥ तीनलोकछवीउहीनहेफनहोअनायक ॥

॥ चौपाई ॥

॥ सुनुकुम्भज रिषिजगपबीता पा॥

॥ वनमेंबीमलसुजकैजा पा॥

॥ नाघमहातमसुनकुम्भवानी॥

॥ कहौकथापुनीतसुभबा नी॥

॥ गीनीजासुनकुकथामनलाई॥

॥ मैलोहीभ्रमधफहौसमुझा ई॥

॥ दांहसुनैएकमासपुना ना॥

॥ मनवयकनमसुनैपवीध्याना॥

॥ नेमधनमसोकनैभ्रहा ना॥

॥ द्वादशवननकनैभ्रनवाना॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangot

सुनुसु॰ ॥

॥ ——— ॥

॥३॥ ॥ फुशावीछूईकेनैबीस्वामा ॥

॥ हनुवीमलेईसुतुजकेना मा॥

॥ रेतनाटकेपेनेत्रीभ्रजव ही॥

॥ होहिस्वासुस्वानीयीनवही॥

॥ मीध्यावयलकहोनहीतो ही॥

॥ मनवयकनमजोपुछुमोही॥

॥ नीसीयेपूशनहोहीवलसाना॥

॥ पांयपुत्रहोईभगीनीसमाना॥

॥ नासोजोनीसकेनहीको ई॥

॥ वीरवानगुनवंनीहो ई॥

॥ ——— ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ दोहा ॥

ह कथा मनलाई कै कै पनै स्रुनै प्रान ॥

सी ये गंग स उत्र है रे जो पाश्र गीन समा ॥

मी श्री सुनु जनु ना ते वाहु पुत्र पार नना ॥

म प्रथमो ध्याय समापत १ ॥

॥ चौपाई ॥

॥ सुत्र जन कथा है अमृत बानी ॥

॥ मन अरु स ची न के सुनो अज्ञानी ॥

॥ कुस्टबन नहोई जा के अंगा ॥

॥ सो एह कथा कै नै पनसंगा ॥

॥ नदी ईन जो जन कै ने असनाना ॥

॥ पुनु पसु वास यछ दैहे ना ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGango

सुजन॥

॥४॥ ॥ बीप्रबोलाईकैरोपकना है॥
॥ श्रोहीअसमसैअंगलगा है॥
॥ नीशीयकुमदवनछेजा है॥
॥ फेनमहीमाहेसुजगोसाई॥

॥ दोहा ॥

॥ जाकेअंगकुमदहोईसोरेहपदेप्रमान॥
॥ नीसीयसुजनप्रनापनेपाईकाअहान
॥ हनीश्रीसुजनमहानभडनीअश्रमआई

॥ चौपाई ॥

॥ सुजनकथामैकहेसुहा है॥
॥ मनवचकनमसुनोचीनलाई॥

0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ ॥
॥ जाकेवचनअंगमहहोई ॥
॥ जाकहगाढपरैअतीसोई ॥
॥ सोएहकथाकैअनुसरी ॥
॥ पांयवचननकैनुस्री ॥
॥ पांयवचनतननकैअनशाना ॥
॥ मनबचकरमकथाअनुसाना ॥
॥ अगनयंरतनबनसेपनबरई ॥
॥ नीसुदीनध्यानमुउजपरयेनई ॥
॥ नीश्चैवचनसकलमीटजाई ॥
॥ येनीमहीमाहैसुनजगोसाई ॥
॥ ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangot

॥ सुतुम ॥

॥ ५ ॥ ॥ दोहा ॥

॥ जापेकमनअंगमहसोनीनसुनैऽमान ॥
॥ पैंनप्रतापश्चारीनकनमहीमाकौठं ॥

॥ चौपाइ ॥

॥ सुउजनकथामेकहोवुहा ६ ॥
॥ मनअसथीनकनसुभीनलों ॥
॥ जोननहोरअंपाहोसोयन ॥
॥ सोरेहकथासुनैऽपमोयन ॥
॥ नीसुदिनकैअलोनअहला ॥
॥ बीवीपींमांनीकैनैनमअयान ॥
॥ पीपनवटननसुनेऽना ना ॥
॥ पावैलोयनअंपेनवलवा ना ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ अंग्रेपालोपन्नीसीयेपा वै॥
॥ जोऐरेहकपासुपीनलसलावै॥

॥ दोहा ॥

अबोलोपनपावैजोजानेमंजुऐक॥
पुलकोतप्रेमपुनीततनेयहकथाभने॥
मननवयकनमभग्रतुनगा ॥ हीठजोजनकोनेह॥
नहोहिनहगनीतसुयीतमननपकुपथमवेगे॥
हतोश्रीसुउजमहूमनमेनीसनीक्रोप्रायहु॥

॥ चौपाई ॥

॥ जगतनाकनीननयलेबीहेसा॥
॥ सोऐरेहपहै पुनानदीने सा॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥मुनुज॥
॥६॥

॥नीसीयैनासुमकलसीषहोई॥
॥साम्भौनयसीण्मावैतो ई॥
॥जाकोनीनहोईम्मनीम्मा नी॥
॥सोऐहकथाकैम्मनुसा नी॥
॥नीसीयैनीनसकलमीरजा ई॥
॥पनीमहीमाहेसुउजगोसाई॥

॥दोहा॥

॥जातनाकनीननफलैजवसोऐहपठैदुमान
॥नौसीयैसंकलमनोवधपुनवैश्नीमन्मान

॥चौपाई॥

॥सुनहुउमामैकहौंडुहा ई॥
॥मनकनमवयनसुनहुयीनलाई॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ ऐसीमहीमाभ्भारतीनदे शा ॥
॥ जासुकनहीसुनननसुलसे शा ॥
॥ मैरैगाउसकलननता सु ॥
॥ पुलकप्रेमहीअस्कय्पुला सु ॥
॥ श्रीनानाथनीनंजनसा ई ॥
॥ महीमामुप्यनेवननीनजाई ॥
॥ सुनुजकथामेकहौउहा ई ॥
॥ मनवचकनमसुनुस्यीनसाई ॥
॥ हंऽहेहीननव्रनकनीपेश ना ॥
॥ सोनानुलसेहकथासमाना ॥
॥ नेजप्रतापवननीनहीजा ई ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGango

मुउज ॥१०॥

॥ यतीमहीमाहैसउजगोसाई ॥
॥ कहहिसंतुऐहकथापुनीता ॥
॥ सुउजभ्रतापत्नऐव्रमेश्रजीता ॥

॥ दोहा ॥

॥ श्रसमहीमाश्राहीनकनवरनोपमसउध ॥
॥ मुरपूर्ऽमापुलाकीतननकीमनीमुउजै ॥

॥ चौपाई ॥

॥ कहौकथापुनीलमुभवानी ॥
॥ छहौमहान्नमपुनकुभवानी ॥
॥ कानीकथैनपुनीनकुमांनी ॥
॥ साजहिश्रनघसकलननामी ॥
॥ श्रानमंसनकपुनकीवानी ॥

CC-0 Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ ॥
॥ प्रजानाथकेनववकुमां ती ॥
॥ जोमनकामनाउनमहना ये ॥
॥ पुलकप्रानपेनीमुख्यनेनाये
॥ सोकानजपुनवहीमगरा ना ॥
॥ ऐसेहैप्रभुग्याननीधा ना ॥
॥ ॥
॥ दोहा ॥
तीसाअगमअपारहैकीपासीपुनगरान ॥
कहौकथापुनीनअतीसुनुअस्पीनकनयो ॥
॥ ॥
॥ चौपाई ॥
॥ सुनुकुउमाप्रभुपनीनअपा ना ॥
॥ नाथकपाकनतौबीसना ना ॥
॥ ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

पुरनपुरान ॥

॥ ८ ॥

॥ सींघलदीपएकनगरकोनाउं ॥

॥ नरहरावसहीपनौधीनगा ॥ उं ॥

॥ सहाधुनीलैपेमेउपका ॥ नी ॥

॥ ताधुनरवनरेककन्यकुमानी ॥

॥ सोनीलकैसुउजबेधु ॥ जा ॥

॥ सेखहिसुउजबोनलहीउ ॥ जा ॥

॥ प्रेमलगीकथामनला ॥ वे ॥

॥ नीसुहीनरेकसुउजपनलावे ॥

॥ जीमीकानलपनसनगोसा ई ॥

॥ सेखहिसुउजहीमनपीनसाई ॥

॥ ताधुनरवनप्रभुकनहीकसेज्ञा ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥तीनभुवनकोउपावनमे ग्रा॥
॥ऐफसैमेम्रयनजग्रेमरे उ॥
॥कन्मासुनसनीनीमहीगरे उ॥
॥मंजननकननलागीसेईवा सा॥
॥हीरैवीनाजमोनीनकनमा सा॥
॥नेहीग्रंतननीण्यीनानम्प्रा रे॥
॥कन्मारैण्यीमुनीवुननसेमारे॥
॥ठाकनरैमुनीउनसनीती मा॥
॥तीएउथीनकंन्माकनयी ना॥
॥कन्माजलमेकननउका ना॥
॥मंवनेहेउम्रवनीण्यीहमाना॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGang

॥सुघुनान॥

॥कहनामहमुनुकम्माधा ना॥

॥हमस्मनकनहुपुतुथाकननाना॥

॥सुनकुमुनीनुमहानवगा ई॥

॥औसेवयनकहौजनीजा ई॥

॥अनुयनिवानिनकहैमुनीसा॥

॥हमअसीकनमस्ताप्यपयीसा॥

॥वीनतीकनौमुनैममवानी॥

॥अंबनहुमोहीमुनीवीज्ञानी॥

॥दोहा॥

॥नंगीनानज्ञलमोष्यडीमुनीसनकहकनज्ञोन॥

॥कीयाकनहुपुलकीननननअंबनहुमुनीमोन॥

॥चौपाई॥

C-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ ॥

॥ जबकन्याअसबीनतीसा ई ॥

॥ सोमुनीमुनीकोलस्यास्या ई ॥

॥ अंबनेईमुनीख्वनसीषा ऐ ॥

॥ तेहिसमेसुनजनहास्या ऐ ॥

॥ मुनीजोऐहवःअङगुतकी ला ॥

॥ सोआहिनकहसवकहीही ल्य ॥

॥ जहामैकनननहेवअसना ना ॥

॥ पुनीअंबनलैगैअज्ञा ना ॥

॥ ताहिसमैआएसीव़जो ना ॥

॥ संगउमाजसयेदयको ना ॥

॥ उमासहितजसीवनाएव़मा था ॥

॥ ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ आसनदियोनहीएसुनना था ॥
॥ पुछाअनसोसीवकनजो नी ॥
॥ नायसुनोवीननीएकमो नी ॥
॥ काअपनोपकोनसुनीआ नी ॥
॥ सोअवमोसकहौवीयानीन ॥
॥ नवअनुकहसुनौसीवओना ॥
॥ कन्साप्राहीनस्वकभो ना ॥
॥ नाहीमुनीसकुहीसदनीहना ॥
॥ अनुयोनकनीनकीनवीयन ॥
॥ सोमुनीवयनकोपननवनोएए ॥
॥ कन्सासहीनमुनीनपगाएए ॥

0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ दोहा ॥

॥ सुनसे कहा वचन नव कोप वह्नी है उपजाए ॥
॥ जो कौतुक तुम कीन्हे सो अब से अघाए ॥

॥ चौपाई ॥

॥ अस कहि मुनी हि स्नाप न दीन्हा ॥
॥ मुनी के अंग वचन प्रभु की न्हा ॥
॥ पुनी प्रभु कहा सुनहु मम वा नी ॥
॥ अनुचीत कनी महा मुनी ग्या नी ॥
॥ सो मुनी सरेह कन्मास्त्रा पा ॥
॥ जस कीन्हे तस जुग तो पा पा ॥
॥ ऐतना कही मुनी भवन सीधारे ॥
॥ कोहि मास न सीवह नप्या रे ॥

॥ दोहा ॥

तीन लोक मे स्वामी जो तन की रूप न गाय स ॥

CC-0.Courtesy Shri.K.S.Harihar District Library, Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ सनपीकथासबकहिवमैजेहिसुतजनकनंदास ॥

॥ झलोश्रीसुवजनसुनानेयनुनथोपेष ४ ॥

॥ चौपाई ॥

॥ पंपापुनएैकनगकोना। ढि ॥

॥ हसेपनवीभ्रवसैनेहीठा। ढ ॥

॥ नगनवसेभानहुकेला। सा ॥

॥ पेनमवकथानहाहोईप्रुगा। सा ॥

॥ पुजापुउजनकीकनहीनना। नी ॥

॥ नीसुहीनकेपनेवकुम्मां। नी ॥

॥ कोहीनश्रीनीयानोहीसीन। ध ॥

॥ श्रीसुनजकनश्रासमज। ध ॥

॥ नहानालयेकपनमसोहाया। ॥

-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ यत्रौघाटसोवननंपा सा ॥
॥ नहाणंमन्नएकमनुपवीसा सा ॥
॥ सोजोजनसोगहीनपना सा ॥
॥ नवनर्पेनभाहीमकनवा सा ॥
॥ भ्रतोहिनणंभसोसगौभ्रका सा ॥
॥ श्रानहोतलैभ्राहीनवा सा ॥
॥ भ्रसनायसउनीकैनीवा सा ॥
॥ रहीवीपीभ्राहितभ्रावैजा हे ॥
॥ मानकुकथएनीतमनमा हो ॥

॥ दोहा ॥

भ्राहिनकथाएनीतहैसुनहु मायीतलाइ ॥
जोननसेवसपी वहाईसोवेके ठहीजाई ॥

॥ चौपाई ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥सुउन॥

॥१४॥ ॥मुनीगीनीज्ञायमोनसेवा नी॥
॥नवीभ्रनापमुनीमनहनप्प नी॥
॥पुनवहीसाकहउगहीगोसा ई॥
॥सोमोहीनाथकहुसमुहा ई॥
॥गीनज्ञाहनहुकथामनसा ई॥
॥पुनवहीसाजवउगहीगोसाई॥
॥पुनवहीसाऐकभ्मीपुवरे सा॥
॥नहीकेनाजापुपमहे सा॥
॥कनहीसहाभ्मारीतवेपु जा॥
॥उनसमाननवीभ्रगनहउ जा॥
॥पहीवीधीसकलनगनउजीभ्मान।॥
॥नहाऐकेहेभ्रागमपहाना ॥॥

CC-0 Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ ————

॥सक्सकोसपनबलभनमा ना॥

॥नसावसहीभ्रासिनवलसवा ना॥

॥उईपहानसहंकनहीनोत्रा सा॥

॥एनीपछीमहीसपनमुलासा॥

॥गीनीजामुनुकनौत्रनेपसा ना॥

॥पुत्रेसकलमनोनथना ना॥

॥उनीसीवयनउमाहुनपानी॥

॥भ्रसउजीहुनपीनकनौभ्रवानी॥

॥ ———— ॥ छै॥ ———— ॥

उमभमुह्मामीभ्रनननामीजोतीकला॥

ष्वीहिसीनभ्रनंगः उमनीपानाभी॥

नभवानाकनुखीथानवभैहुननंग॥

॥ ———— ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ सुनु ज॰ ॥
॥ १२ ॥
॥ छूवीजोतीवीनाजेकुंउलधीजैनवप्रनाथनी ॥
॥ नोम्हुरलग धनीमहीमानोनीममननी ॥
॥ मोनीपाहीपाहीपम्हुउम्हेसननंग ग ॥
॥ चौपाई ॥
॥ जवजगहीसकीम्रसनुतीनकीन्हा ॥
॥ हनप्पीनम्रारीतनहनसनरी न्हा ॥
॥ गीनजहीहीनाम्रासीनवा हा ॥
॥ म्रीवसंगनहोसहाम्नजा। हा ॥
॥ सहाम्रयलम्रहीवानत्रुम्हा नी ॥
॥ म्रनुचयनममम्रारीकुमा नी ॥
॥ ईसुनजुमेरैम्नगवा ना ॥
॥ सेकवीनउसनगुनवा ना ॥
॥ म्रमसकहीसुनजागरैनीजोपामा ॥
॥ ॥

CC-0 Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ गीनीज्ञानवीप्रनकीनप्रनामामा ॥

॥ दोहा ॥

॥ गुरुलघीनीनमीसिद्दानलेवेदीहवननपवीन ॥
॥ पुसमासकेपांयपग्रनछीनअग्रघनवीहि ॥

॥ चौपाई ॥

॥ पुनीवोलीतिनीज्ञामुरुका ई ॥
॥ तिनमहीसाकेहीतिगहीगोसाई ॥
॥ तिन्महीसारेवकनयवीसा ला ॥
॥ महाकेनाज्ञामहनगोपा ला ॥
॥ महाक्षैलएकवउवीसना ना ॥
॥ औजोजनसेडियपहा ना ॥
॥ हथ्येनानुकीनीननहीभ्मा वै ॥
॥ तानेनयग्रंथेपीभ्मानजना वै ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥सगुन:॥

॥२८॥ एकसमैअथनजअसन्तरे ए॥

॥नामरमुनीउतनहीसीगरे ए॥

॥दिप्यासकलनगनअपेअना ना॥

॥धनमकथाकननहीवेरहा ना॥

॥असवीयानमुनीकोपेवजवही॥

॥नगवहीआपदीनमुनीनव ही॥

॥कुसदैहोहीसकलननना नी॥

॥धनमकथावेनामवीसा नी॥

॥कुसरवननअसवकेअं गा॥

॥आठोवननसकलननअं गा॥

॥केडिनहीनकुसरसेवा या॥

॥सवकेननकुसरीअरेसा या॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ वीकलनऐसवननअसना नी ॥
॥ ननाहीननाहीसबकनैपुका नी ॥
॥ ह्मापरेईमुनीनवीपहुअ्मा रे ॥
॥ दिननदीसाकेअ्ननथमुना रे ॥
॥ मुननकथाअ्मारीनमुसुका ने ॥
॥ कंहागारेमुनीदिननअ्मुला ने ॥
॥ अ्नबकुमुनीमैपुछोनो ही ॥
॥ ह्मापदियकवहोईहैअ्मो ही ॥
॥ कहैसगेनानदमुनीजब ही ॥
॥ अंगबननमुनीकेभानव ही ॥
॥ कुसटबननमुनीदेप्पनभ्मरे हि ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

सुन्दर॰ ॥

॥ १९ ॥ ॥ आकुल होई सुजन सो कहे   छि ॥

॥ कीनी पांसी प्रभु पन मम अंग ॥ था ॥

॥ बचन नरेन्द्रन के हो अपना   था ॥

॥ सो मोहि नाथ कहो समुझा   ई ॥

॥ जेहि तें अंग बचन मीरी जा   ई ॥

॥ नव प्रभु कहा सुनो मुनी ग्या   नी ॥

॥ जिहा के लोग सकल रघुनप्या   नी ॥

॥ सब के जाइ आप नुमही   न्हा ॥

॥ सो नुम लेकु अंग मेथी   न्हा ॥

॥ ॥ दोहा ॥ ॥

॥ अबे मे कहे सो होई सन कथा पुनीत अनंग ॥

॥ स्राप दिन अपनो कनकु बचन मीरे नव अंग ॥

॥ ॥ चौपाई ॥ ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ नीकबचननतानिदमनमा   ना ॥
॥ दिननहीसकोकीन्हपअमा   ना ॥
॥ होइ़ाइससहीनमहिदिननगरे   ङि ॥
॥ नगनक्ष्मायमुनीडियहकीरे ङि ॥

॥ दोहा ॥

नायहिदिननजोरेकेश्यापअठयहकीन ॥
तेजभजतापअसीतकलहनपीनवननेहीन ॥
हिगीआइजुनजणुनानेपंयमोप्पायः ५ ॥

॥ चौपाई ॥

॥ अअसकहिमुनीअशहीनपहआए ॥
॥ दिननहीसाकेअनथजना   ए ॥
॥ श्यापअनुयहकीन्होगासा   ई ॥
॥ भेनमतापनहवननीनजा   ई ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGango

सुरज॥
॥९६॥

॥ ॥

॥असरुनीआहीनहनप्पीनम्नऐ ऐ॥

॥हआलागीनवमुनीसनकहे ए॥

॥अवजनीऐसेनमस्तुला कु॥

॥आसीनवाहलेकुघनजा कु॥

॥वुलकीनीपानईमुनीपवनआनी॥

॥वनीनजाईजोनीअऐपीका नी॥

॥वीसहोईमुनीमहकहआ ऐ॥

॥हनप्पीनहोईसुउजगुनगा ऐ॥

॥हनप्पीनमंगलगावहीना नी॥

॥धमसुउजसवकनहीपुका नी॥

॥धनीआहीनकाआवेना जा॥

॥जाकीजोनपकुओनवीना जा॥

॥ ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ कोरीवीभ्रतहुंनेव्रतजेञा ञ् ॥
॥ भ्रसतुजीनामदृष्टुनजवीगाञा ॥
॥ भ्रपञमेपजगप्रकननतवञा गे ॥
॥ तीनन्तुवनकेशलीद्वनम्ना गे ॥
॥ सवकदृनानदृनेभ्रनपठा हे ॥
॥ नभवठीहेञनहुासवभ्रा हे ॥
॥ वाम्हनवीमुनभ्रवेतीनीपुवावी ॥
॥ भ्राएसकलसहीतवनना नी ॥
॥ वहुपमकानमुनीसवहीजेञा हे ॥
॥ हनभ्रीतमहोर्हस्तउजगुनगा हे ॥
॥ हनभ्रीतमंगलगावहीना नी ॥
॥ वनम्हावेहपैठेजैजैका नी ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ ॥

॥अष्टजयंदनपानपकज्ञा ना॥

॥पुजाकरहीयेनहीमुनीयिाना॥

॥हनमानहोईसुतुजगुनगाऐ॥

॥नालपपारिउजंसेपवना ऐ॥

॥ ॥दोहा॥ ॥

॥अगपकीनमुनीनानरसोम्हा वननीनजाऐ

॥तेतीसकोटदेवनानलहनमानीकथागुनगा

॥इमीश्रीसुनुजपुनानेपपसरमोएसपः ई

॥ ॥चौपाई॥ ॥

॥जोएहकथापनपानेपज्ञा ना॥

॥नाकनहोईपुजनकरसा ना॥

॥जोएहकथापठेमनला ई॥

॥नापनमारीलहोहीसह ई॥

॥ ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ ——— ॥

॥ धेनप्रतापपश्चादीनवलखा नो ॥

॥ तेजप्रतापनुमश्वगीनसमाना ॥

॥ ——— ॥ दोहा ॥ ——— ॥ ६.

॥ गौरीजापुछहिसंभुसनसुजयतीनमनसा ॥

ह्यहीनहीसाकहर्उंगहीनवीनाथकहीसमुहाई ॥

॥ ——— ॥ चौपाई ॥ ——— ॥

॥ कहेसंभुसुनसैलकुमारी ॥

॥ सुनुण्यतीनमैकहौवीयानी ॥

॥ कहनलगेसीक्कथासुहाई ॥

॥ जेहीवीधीह्यहीनउगहीगोसाई ॥

॥ ह्यहीनहीसीऐकनयश्चनुपा ॥

॥ जैमसवीप्रनहांकेभुपा ॥

॥ ——— ॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGango

॥पुरज॰॥

॥१८॥ ॥रुमणीनमजनकनेहीननानी॥

॥नहानहहीआहीनवकुआंनी॥

॥हेहीवीपीमनुकीजोनीपीनजे॥

॥अनहहनाहधंहेनीवा जे॥

॥नेतीसकोटीहेवननान हा॥

॥कीसुउजकेआस्नमज हा॥

॥इप्पीनवसहीकासीपनआगा॥

॥नहावसहीसवलोगसुआगा॥

॥सहेहनावलीअहनानहासंगा॥

॥नहवावसहीसुनसनीगंगा॥

॥कीनीपासीउनहापनमआगापा॥

॥नीसुहीननजनकेनेअवनापा॥

C-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGango

॥ दोहा ॥

॥ ह्वीनहीसाधुनीतहैपुनउभागीनसाई॥

॥आगीसअनधजसहोईहैसोमेकहेवुताई॥

॥ चौपाई ॥

॥कलीजुगनीहोईजवजे है॥

॥मानुष्यकेननमानुष्यये है॥

॥नवप्रभुलैहैअवनानकसं की॥

॥मानुष्यननवहोईहैपं की॥

॥ह्वीनहीसीनवीउगीहैजाई॥

॥आगीसअनधकहोसमहाई॥

॥पेनमकपायसीहैवुहुलां नी॥

॥नेमयेनमकनीहैदीनना नी॥

॥वीप्रजेवाईआपुनवजेई है॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥सुभुज॥

॥२८॥ नीसीयेनामसुरुजकेगोरूहै॥

॥लक्षीमीघनघनकनहीलीयाला॥

॥धनमकथानहोहोईपनगासा॥

॥मीरूसावचनकोउनहींत्राये॥

॥नीसुहीनरेकसुरुजपनना ये॥

॥धनमवीयानसुरुजनहाकनहीं॥

॥द्वादसकलाजोतीलेवनही॥

॥दोहा॥

॥द्वादसकलालेगहेमसुभ्याहीननवहीआवे

॥सुवजनमकेघानकवधापठनधेजाई॥

॥चौपाई॥

॥श्रीलक्षमघनसुभसुकरनी॥

CC-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGangotri

॥ ———— ॥

॥भगनन्नर्सुनीश्रीरकीवानी॥

॥हरषीसुउजगुनकनहीवषानी॥

॥तीनसुवनजेहीनाहैमा या॥

॥सोश्रनुग्रहहीश्रनाथकेनाथा॥

॥जोरहकथापठैमनला ई॥

॥वाठैपनमपापछैजा ई॥

॥ ———— ॥दोहा॥ ———— ॥

जोरहकथामनलाईकेरकपैनेवसन्नध्यान॥

जोईछ्याकनीपठैननसोपुनवरीनगवान॥

इतीश्रीसरउजमहातमेमहापुनानेक॥

लेकीश्रदतानवननोनामसपनमोध्या॥

रसमापन॥५॥ इतीश्रीउरजुपुनानसमा॥

पत॥ [illegible] ॥

CC-0. Courtesy Shri K.S. Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGang

राम१

श्रीमद्गृपीरणनामकरीसाहिलाय

नहृनृमानः

गोविंद गोविंद

हरे मुरारे गोविं

द गोविंद मुकुंद

कृष्ण गोविंद हे गो

श्री हरे श्याम गोविं

गोविंद नाम मंत्र

C-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGango

उनः श्रीभि
ष्युतःगोवीश्ने
तसरवैसवासदे
षनमोसकवःउ
कुम्पैरताकस्म
मतुस्माहरिाने
यकुस्पपनःछ
निसैषयःतेमीतं
देदाप्राविस्तीयका॥

0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGan

श्रीरामनारायण
बासुदेवगोबीदबै
कुंठमुकुंदकृस्नश्री।
केसवानंतनृसिं
हविस्नोमात्राहि
संसारभुजगापासं २
श्रीप्रभयपहारीलिभ।
कृस्नपदामोदर

C-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGango

इथिओथा मंव
इतिहास से :

Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGa

C-0.Courtesy Shri K.S.Parihar District Library Varanasi. Digitized by eGango